WEATHER REPORT
NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :

NEWSLETTER

Saturday
12 October 2024
Volume - 119

GOLD : 76325
SILVER : 91730
CRUD : 6368

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

"2024 में भारतीय कपास उद्योग की चुनौतियाँ: उत्पादन में गिरावट, कीमतों में उतार-चढ़ाव और निर्यात में कमी "

भारत में वर्तमान में कपास उत्पादन और बाजार की स्थिति कुछ चुनौतियों और अवसरों से घिरी हुई है। यहाँ 2024 के कपास परिदृश्य का एक सारांश दिया गया है:

1. उत्पादन में गिरावट की संभावना :

मौसम की अनिश्चितता: मानसून की असामान्य गतिविधियों के कारण कपास की बुवाई और उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कुछ प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में अनियमित बारिश या सूखा जैसे हालातों ने उत्पादन को प्रभावित किया है।
कीट और रोग: गुलाबी बॉलवर्म जैसे कीटों का हमला भी उत्पादन को प्रभावित कर सकता है। इसके लिए किसानों को अतिरिक्त कीटनाशकों का उपयोग करना पड़ रहा है, जिससे उत्पादन लागत बढ़ रही है।

2. कपास की कीमतों में उतार-चढ़ाव :

वैश्विक बाजार पर असर: अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कपास की कीमतें अस्थिर हैं, जिससे भारतीय कपास की कीमतों पर भी असर पड़ा है। निर्यात मांग में कमी और बांग्लादेश, चीन जैसे प्रमुख आयातकों की स्थिति से भारतीय बाजार प्रभावित हो रहा है।
घरेलू मांग: भारत में कपड़ा उद्योग की घरेलू मांग ने कपास की कीमतों को थोड़ी स्थिरता प्रदान की है। हालांकि, वैश्विक बाजार की मांग कम होने से कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

3. सरकार की पहल:

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP): सरकार ने कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया है, जिससे किसानों को कुछ राहत मिली है। इससे किसानों को उनकी फसल के लिए बेहतर मूल्य मिल सकता है।
फसल बीमा और सब्सिडी: सरकार ने फसल बीमा योजनाओं और सब्सिडी पर जोर दिया है ताकि किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा मिल सके।

4. निर्यात और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार :

निर्यात में कमी: भारतीय कपास का निर्यात हाल के महीनों में कुछ गिरावट का सामना कर रहा है, खासकर बांग्लादेश और चीन जैसे प्रमुख आयातकों के आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता के कारण।
अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा: भारतीय कपास को अमेरिका, ब्राजील, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जो उच्च गुणवत्ता और कम लागत पर कपास का निर्यात कर रहे हैं।

5. किसानों के लिए चुनौतियाँ :

उच्च उत्पादन लागत: बढ़ती लागत और कम होते लाभ मार्जिन ने किसानों के लिए कपास उत्पादन को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। उर्वरक और कीटनाशकों की कीमतें बढ़ने के कारण किसानों को अधिक खर्च करना पड़ रहा है।
सिंचाई की समस्याएँ: पानी की कमी और सिंचाई की उचित व्यवस्था न होने के कारण कई क्षेत्रों में किसान कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

6. भविष्य की संभावनाएँ:

अगर मौसम अनुकूल रहता है और सरकार की नीतियाँ प्रभावी ढंग से लागू होती हैं, तो कपास उत्पादन में सुधार हो सकता है।
निर्यात के नए अवसरों को खोजने और कपास की गुणवत्ता में सुधार करने से भारतीय कपास उद्योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिल सकती है।

निष्कर्ष:

भारतीय कपास उद्योग वर्तमान में मौसम, वैश्विक बाजार, और उत्पादन लागत से प्रभावित हो रहा है। सरकार की नीतियाँ और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संबंध इस उद्योग की भविष्य की स्थिति को तय करेंगे।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कपास बाजार की साप्ताहिक गतिविधि पर एक नजर

SMART INFO SERVICES
CALL : 91116 77771
WEEKLY CHART 12.10.2024

ICE COTTON			
MONTH	04.10.24	11.10.24	WEEKLY CHANGE
DEC	73.27	72.21	-1.06
MAR'25	75.28	74.33	-0.95
MAY'25	76.52	75.71	-0.81
MCX (COTTON)			
NOV	57260	57000	-260
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1584	1582.5	-2
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2929	2959	30
JAN	2904	2916	12
FEB	2900	2919	19
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.97	84.06	0.09
PAK (Pakistani Rupee)	277.391	277.61	0.219
CNY (Chinese yuan)	7.01757	7.06663	0.04906
BRAZIL (Real)	5.45731	5.61284	0.15553
AUSTRALIAN Dollar	1.47144	1.47144	0
MALAYSIAN RINGGITS	4.21999	4.28798	0.06799
COTLOOK "A" INDEX	84.35	84.50	0.15
BRAZIL COTTON INDEX	72.85	70.97	-1.88
USDA SPOT RATE	66.95	66.70	-0.25
MCX SPOT RATE	57820	56400	-1420
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17800	17700	-100
GOLD ($)	2667.80	2676.30	8.5
SILVER ($)	32.394	31.755	-0.639
CRUDE ($)	74.38	75.56	1.18

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 1.06 सेंट, मार्च 0.95 एवं मई 0.81 सेंट तक गिरे ।

वही भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में नवंबर माह में 260 रुपऐ की गिरावट देखने को मिली।

NCDEX पर कपास के भाव 2 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव देखे तो दिसंबर माह में 30 रुपए, जनवरी माह में 12 रुपए, फरवरी माह में 19 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई, USDA स्पॉट रेट 0.25 सेंट गिरे, वही MCX स्पॉट रेट में 1,420 रुपए प्रति कैंडी भाव में गिरावट देखने को मिली।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 12.10.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	07.10.2024		12.10.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,770	5,780	5,825	5,830	50
HARYANA	27.5/28	5,770	5,770	5,800	5,800	30
UPPER RAJASTHAN	28	5,300	5,725	5,800	5,810	85
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	56,800	57,300	55,500	55,900	-1,400
MADHYA PRADESH	29	53,700	54,000	53,000	53,300	-700
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,500	59,000	57,500	58,000	-1,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,000	59,100	58,100	58,200	-900
KARNATAKA	29.5+	54,700	55,200	53,800	54,300	-900
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	56,000	56,500	-2,500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,000	57,000	54,000	54,500	-2,500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे गिरावट वाला माहौल रहा।

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।
नार्थ झोन के पंजाब राज्य में 50 रुपए, हरयाणा राज्य में 30 रुपए और अपर राजस्थान राज्य में 85 रुपए प्रति मंड तक की बढ़त दर्ज की गई।

सेंट्रल झोन के गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश राज्य में 700-1400 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखि गई।

साउथ झोन के कर्णाटक, ओड़िशा, तेलंगाना, आँध्रप्रदेश राज्य में 900-2500 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट रही।

बढ़ाएं अपना व्यापार

इंडस्ट्री से जुड़े 50 हज़ार से ज़्यादा लोगों तक पहुचाएं अपने व्यापार की हर जानकारी हमारे माध्यम से पाएं अपने व्यापार को बढ़ाने का

जानकारी के लिये संपर्क करें :-
+91-9111677775

भारत का कपड़ा उद्योग 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की वृद्धि के लिए तैयार, 90,000 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद

भारत के कपड़ा क्षेत्र के 2030 तक 350 बिलियन डॉलर के उद्योग में विकसित होने का अनुमान है, जिसमें पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना जैसी पहलों के माध्यम से अगले 3-5 वर्षों में 90,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होने की उम्मीद है, कपड़ा मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की।

मंत्रालय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का कपड़ा क्षेत्र मजबूत विस्तार का अनुभव कर रहा है, जिसमें सभी कपड़ा श्रेणियों में रेडीमेड परिधान निर्यात में साल-दर-साल 11% की वृद्धि हुई है। अगस्त के आशाजनक निर्यात आंकड़े इस क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य को रेखांकित करते हैं।

देश भर में सात पीएम मित्र पार्कों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से प्रत्येक में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने की उम्मीद है। इन पार्कों से लगभग 1 लाख प्रत्यक्ष रोजगार और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

इसके अतिरिक्त, पीएलआई योजना से 28,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होने का अनुमान है, जिसमें 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का संभावित कारोबार शामिल है। इस पहल का उद्देश्य मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) परिधान, कपड़े और तकनीकी वस्त्र उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देकर लगभग 2.5 लाख नौकरियां पैदा करना है, जिससे उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने में मदद मिलेगी।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि कई प्रमुख निवेश योजनाएं पाइपलाइन में हैं, जो भारत के कपड़ा उद्योग के लिए एक स्वस्थ भविष्य का संकेत देती हैं।### भारत का कपड़ा उद्योग 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की वृद्धि के लिए तैयार है, 90,000 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है।

भारत के कपड़ा क्षेत्र के 2030 तक 350 बिलियन डॉलर के उद्योग में विकसित होने का अनुमान है, जिसमें पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना जैसी पहलों के माध्यम से अगले 3-5 वर्षों में 90,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होने की उम्मीद है, कपड़ा मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की।

मंत्रालय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का कपड़ा क्षेत्र मजबूत विस्तार का अनुभव कर रहा है, जिसमें सभी कपड़ा श्रेणियों में रेडीमेड परिधान निर्यात में साल-दर-साल 11% की वृद्धि हुई है। अगस्त के आशाजनक निर्यात आंकड़े इस क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य को रेखांकित करते हैं।

देश भर में सात पीएम मित्र पार्क स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने की उम्मीद है। इन पार्कों से लगभग 1 लाख प्रत्यक्ष रोजगार और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

इसके अतिरिक्त, पीएलआई योजना से 28,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होने का अनुमान है, जिसमें 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का संभावित कारोबार होगा। इस पहल का उद्देश्य मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) परिधान, कपड़े और तकनीकी वस्त्र उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देकर लगभग 2.5 लाख रोजगार सृजित करना है, जिससे उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने में मदद मिलेगी।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि कई प्रमुख निवेश योजनाएं पाइपलाइन में हैं, जो भारत के कपड़ा उद्योग के लिए एक स्वस्थ भविष्य का संकेत देती हैं।

NEWS OF THE WEEK

मूल्य में गिरावट के बीच किसानों की सहायता के लिए CCI 33 कपास खरीद केंद्र खोलेगा

विजयवाड़ा वैश्विक बाजार में कपास की बढ़ती मांग के बावजूद, राज्य में कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से नीचे गिर गई हैं, जिसका मुख्य कारण हाल ही में हुई बारिश और बाढ़ के कारण फसल का काफी नुकसान है। निजी व्यापारियों ने कपास की "निम्न" गुणवत्ता का हवाला देते हुए कम कीमतों की पेशकश करते हुए अवसर का लाभ उठाया है।

सरकार ने 11 राज्यों के लिए प्रति हेक्टेयर 1,000 किलोग्राम कपास उत्पादन का लक्ष्य रखा: गिरिराज सिंह

सरकार ने महाराष्ट्र के अकोला में इस्तेमाल किए गए सफल उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) मॉडल से प्रेरित होकर 11 प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में प्रति हेक्टेयर 1,000 किलोग्राम कपास उपज प्राप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

भारत के कपड़ा क्षेत्र में 2030 तक 90,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 350 बिलियन डॉलर की वृद्धि होने की उम्मीद है

भारत के कपड़ा क्षेत्र के 2030 तक 350 बिलियन डॉलर के उद्योग में विकसित होने का अनुमान है, जिसमें पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना जैसी पहलों के माध्यम से अगले 3-5 वर्षों में 90,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होने की उम्मीद है, कपड़ा मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की।

CCI के पास अभी 11 से 12 लाख बेल्स का स्टॉक हे

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	07.10.24	08.10.24	09.10.24	10.10.24	11.10.24	12.10.24
PUNJAB	-	-	500	500	500	-
HARYANA	4,000	3,000	4,000	4,200	4,200	4,200
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	300	250
LOWER RAJASTHAN	1,100	1,200	1,300	1,800	1,800	1,400
NORTH ZONE	5,100	4,200	5,800	6,500	6,800	5,850
GUJARAT	5,000	5,000	8,000	9,000	7,000	7,000
MADHYA PRADESH	9,000	6,000	8,000	3,000	1,000	-
MAHARASHTRA	1,800	3,500	3,700	3,700	3,000	1,000
CENTRAL ZONE	15,800	14,500	19,700	15,700	11,000	8,000
KARNATAKA	20,000	15,000	15,000	16,000	12,000	12,000
ANDHRA PRADESH	5,500	5,500	5,500	3,900	2,000	-
TELANGANA	2,500	3,000	3,000	200	1,000	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	28,000	23,500	23,500	20,100	15,000	12,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	48,900	42,200	49,000	42,300	32,800	25,850
ARRIVAL IN 170 Kg.						

WEATHER REPORT
NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :

NEWSLETTER

Saturday
12 October 2024
Volume - 119

GOLD : 76325
SILVER : 91730
CRUD : 6368

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

"Challenges of Indian Cotton Industry in 2024: Declining Production, Fluctuating Prices and Reducing Exports"

The current cotton production and market situation in India is surrounded by some challenges and opportunities. Here is a summary of the cotton scenario for 2024:

1. Possibility of Declining Production:

Weather uncertainty: Due to abnormal monsoon activities, cotton sowing and production are getting affected. Irregular rains or drought-like conditions in some major cotton producing states have affected production.
Pests and diseases: Attack of pests like pink bollworm can also affect production. For this, farmers have to use additional pesticides, increasing the cost of production.

2. Fluctuation in cotton prices:

Impact on global market: Cotton prices are volatile in the international markets, which has also affected the prices of Indian cotton. The Indian market is being affected by the decline in export demand and the situation of major importers like Bangladesh, China.
Domestic Demand: Domestic demand from the textile industry in India has provided some stability to cotton prices. However, low global market demand has kept prices under pressure.

3. Government Initiatives:

Minimum Support Price (MSP): The government has increased the minimum support price for cotton, which has provided some relief to farmers. This can help farmers get better prices for their crop.
Crop Insurance and Subsidies: The government has emphasized on crop insurance schemes and subsidies to protect farmers from natural disasters.

4. Exports and International Trade:

Declining Exports: Indian cotton exports have been facing some decline in recent months, especially due to economic and political instability of major importers like Bangladesh and China.
International Competition: Indian cotton is facing stiff competition from countries like the US, Brazil, and Australia, which are exporting cotton of high quality and at low cost.

5. Challenges for Farmers:

High Production Costs: Rising costs and shrinking profit margins have made cotton production challenging for farmers. Farmers are having to spend more due to the rising prices of fertilizers and pesticides.
Irrigation Problems: Farmers in many areas are facing difficulties due to lack of water and lack of proper irrigation facilities.

6. Future Prospects:

If the weather remains favourable and government policies are implemented effectively, cotton production may improve.
Finding new export opportunities and improving the quality of cotton can help the Indian cotton industry compete internationally.

Conclusion:

The Indian cotton industry is currently being affected by weather, global markets, and production costs. Government policies and international trade relations will determine the future state of this industry.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91116 77771

WEEKLY CHART 12.10.2024

ICE COTTON			
MONTH	04.10.24	11.10.24	WEEKLY CHANGE
DEC	73.27	72.21	-1.06
MAR'25	75.28	74.33	-0.95
MAY'25	76.52	75.71	-0.81
MCX (COTTON)			
NOV	57260	57000	-260
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1584	1582.5	-2
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2929	2959	30
JAN	2904	2916	12
FEB	2900	2919	19
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.97	84.06	0.09
PAK (Pakistani Rupee)	277.391	277.61	0.219
CNY (Chinese yuan)	7.01757	7.06663	0.04906
BRAZIL (Real)	5.45731	5.61284	0.15553
AUSTRALIAN Dollar	1.47144	1.47144	0
MALAYSIAN RINGGITS	4.21999	4.28798	0.06799
COTLOOK "A" INDEX	84.35	84.50	0.15
BRAZIL COTTON INDEX	72.85	70.97	-1.88
USDA SPOT RATE	66.95	66.70	-0.25
MCX SPOT RATE	57820	56400	-1420
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17800	17700	-100
GOLD ($)	2667.80	2676.30	8.5
SILVER ($)	32.394	31.755	-0.639
CRUDE ($)	74.38	75.56	1.18

This week, the international market witnessed a mixed trend.

Intercontinental Cotton Exchange prices fell by 1.06 cents in December, 0.95 cents in March and 0.81 cents in May.

On the Indian market MCX, cotton prices fell by Rs 260 in the month of November.

On NCDEX, cotton prices fell by Rs 2 per 20 kg, while if we look at the prices of oil cake, there was an increase of Rs 30 in December, Rs 12 in January and Rs 19 per quintal in February.

If we look at the cotton market of other countries, Cotlook "A" index saw an increase, USDA spot rate fell by 0.25 cents, while MCX spot rate saw a decline of Rs 1,420 per candy.

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91116 77771

DATE: 12.10.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	07.10.2024		12.10.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,770	5,780	5,825	5,830	50
HARYANA	27.5/28	5,770	5,770	5,800	5,800	30
UPPER RAJASTHAN	28	5,300	5,725	5,800	5,810	85
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	56,800	57,300	55,500	55,900	-1,400
MADHYA PRADESH	29	53,700	54,000	53,000	53,300	-700
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,500	59,000	57,500	58,000	-1,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,000	59,100	58,100	58,200	-900
KARNATAKA	29.5+	54,700	55,200	53,800	54,300	-900
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	56,000	56,500	-2,500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,000	57,000	54,000	54,500	-2,500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

This week, the international market witnessed a mixed trend.

This week, the international market witnessed a mixed trend.

North Zone states of Punjab witnessed a rise of Rs.50, Haryana witnessed a rise of Rs.30 and Upper Rajasthan witnessed a rise of Rs.85 per candy.

Central Zone states of Gujarat, Maharashtra, Madhya Pradesh witnessed a decline of Rs.700-1400 per candy.

South Zone states of Karnataka, Odisha, Telangana, Andhra Pradesh witnessed a decline of Rs.900-2500 per candy.

Grow your business now

Get every information about your business to more than 50 thousand people related to the industry. Get a golden opportunity to grow your business through us.

For more information, contact-

+91-9111677775

India's Textile Industry Poised for $350 Billion Growth by 2030, Rs 90,000 Crore Investment Expected

India's textile sector is projected to grow into a $350 billion industry by 2030, with over Rs 90,000 crore expected to be invested in the next 3-5 years through initiatives like the PM Mega Integrated Textile Region and Apparel (PM MITRA) Park and the Production Linked Incentive (PLI) scheme, the Ministry of Textiles announced on Thursday.

The ministry highlighted that India's textile sector is experiencing robust expansion, with a 11% year-on-year growth in readymade garment exports across all textile categories. The promising August export figures underscore the sector's bright outlook.

Seven PM MITRA parks have been approved across the country, each expected to attract investments of Rs 10,000 crore. These parks are forecasted to generate nearly 1 lakh direct jobs and 2 lakh indirect jobs.

Additionally, the PLI scheme is projected to drive investments of over Rs 28,000 crore, with a potential turnover of more than Rs 2 lakh crore. The initiative aims to create around 2.5 lakh jobs by boosting the production of man-made fiber (MMF) apparel, fabrics, and technical textile products, helping the industry scale and achieve greater global competitiveness.

The ministry also noted that several major investment plans are in the pipeline, signaling a healthy future for India's textile industry. India's Textile Industry Poised for $350 Billion Growth by 2030, Rs 90,000 Crore Investment Expected

India's textile sector is projected to grow into a $350 billion industry by 2030, with over Rs 90,000 crore expected to be invested in the next 3-5 years through initiatives like the PM Mega Integrated Textile Region and Apparel (PM MITRA) Park and the Production Linked Incentive (PLI) scheme, the Ministry of Textiles announced on Thursday.

The ministry highlighted that India's textile sector is experiencing robust expansion, with a 11% year-on-year growth in readymade garment exports across all textile categories. The promising August export figures underscore the sector's bright outlook.

Seven PM MITRA parks have been approved across the country, each expected to attract investments of Rs 10,000 crore. These parks are forecasted to generate nearly 1 lakh direct jobs and 2 lakh indirect jobs.

Additionally, the PLI scheme is projected to drive investments of over Rs 28,000 crore, with a potential turnover of more than Rs 2 lakh crore. The initiative aims to create around 2.5 lakh jobs by boosting the production of man-made fiber (MMF) apparel, fabrics, and technical textile products, helping the industry scale and achieve greater global competitiveness.

The ministry also noted that several major investment plans are in the pipeline, signaling a healthy future for India's textile industry.

NEWS OF THE WEEK

CCI to open 33 cotton procurement centres to aid farmers amid price crash

Vijayawada Despite rising demand for cotton in the global market, prices in the state have fallen below the minimum support price (MSP), mainly due to considerable crop damage due to recent rains and floods. Private traders have taken advantage of the opportunity, offering low prices citing "low" quality of cotton.

Govt sets target of 1,000 kg cotton production per hectare for 11 states: Giriraj Singh

The government has set an ambitious target of achieving 1,000 kg cotton yield per hectare in 11 major cotton-producing states, inspired by the successful high density planting system (HDPS) model used in Akola, Maharashtra.

India's textiles sector expected to grow to $350 billion by 2030 with investments worth Rs 90,000 crore

India's textiles sector is projected to grow into a $350 billion industry by 2030, with investments of over Rs 90,000 crore expected over the next 3-5 years through initiatives such as the PM Mega Integrated Textile Region and Apparel (PM MITRA) Parks and the Production Linked Incentive (PLI) scheme, the Ministry of Textiles announced on Thursday.

CCI currently has a stock of 11 to 12 lakh bales

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	07.10.24	08.10.24	09.10.24	10.10.24	11.10.24	12.10.24
PUNJAB	-	-	500	500	500	-
HARYANA	4,000	3,000	4,000	4,200	4,200	4,200
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	300	250
LOWER RAJASTHAN	1,100	1,200	1,300	1,800	1,800	1,400
NORTH ZONE	5,100	4,200	5,800	6,500	6,800	5,850
GUJARAT	5,000	5,000	8,000	9,000	7,000	7,000
MADHYA PRADESH	9,000	6,000	8,000	3,000	1,000	-
MAHARASHTRA	1,800	3,500	3,700	3,700	3,000	1,000
CENTRAL ZONE	15,800	14,500	19,700	15,700	11,000	8,000
KARNATAKA	20,000	15,000	15,000	16,000	12,000	12,000
ANDHRA PRADESH	5,500	5,500	5,500	3,900	2,000	-
TELANGANA	2,500	3,000	3,000	200	1,000	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	28,000	23,500	23,500	20,100	15,000	12,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	48,900	42,200	49,000	42,300	32,800	25,850

ARRIVAL IN 170 Kg.